

# ZÚME सत्र 1 का वीडियोस्क्रिप्टस्

## Zúme में स्वागत है

ZÚME प्रशिक्षण में आपका स्वागत है।

ZÚME 'खमीर' के लिए ग्रीक शब्द है।

यीशु हमें बताते हैं कि परमेश्वर का राज्य उस स्त्री की तरह है जिसने थोड़ा सा 'ZÚME' लेकर बहुत सारे आटे में मिला दिया।

जैसे ही उसने मिश्रण में खमीर मिलाया, तो पूरा आटा खमीरा होगया।

यीशु हमें बता रहे थे कि एक साधारण व्यक्ति एक छोटी सी चीज को लेकर, बहुत बड़ा प्रभाव बनाने के लिए इसका इस्तेमाल कर सकता है!

हमारा सपना है वह करना जो यीशु ने कहा है—दुनिया भर में साधारण लोगों की सहायता करना, परमेश्वर के राज्य में प्रभाव बनाने के लिए छोटे उपकरणों का इस्तेमाल करना!

यीशु का अंतिम निर्देश उनके चेलों के लिए सरल था। उन्होंने कहा --

स्वर्ग और पृथ्वी का सारा अधिकार मुझे दिया गया है। इसलिये---

तुम जाओ, सब जातियों के लोगों को शिष्य बनाओ; और उन्हें पिता, और पुत्र, और पवित्र आत्मा के नाम से बपतिस्मा दो.

और उन्हें सब बातें जो मैंने तुम्हें आज्ञा दी है, मानना सिखाओ

और देखो मैं जगत के अन्त तक सदा तुम्हारे संग हूँ।

यीशु की आज्ञा सरल थी - शिष्य बनाओ

यह कैसे करना है, इसबारे में उनका निर्देश बिल्कुल सरल है—जहाँ कही जाओ शिष्य बनाओ

- उन्हें पिता, पुत्र और पवित्र आत्माके नाममें बपतिस्मा देकर शिष्य बनाओ
- उन्हें यीशु की सब आज्ञाओं को मानना सीखाओ।

तो शिष्य बनानेके लिए क्या—क्या करना है?

- 1- हम हर समय शिष्य बनाते हैं— हम जहाँ कहीं और जबभी जाते हैं
- 2- जब कोई यीशुके पीछे चलनेका निर्णय लेता है— तो उन्हें बपतिस्मा देना चाहिए
- 3- जब वे बढ़ते हैं— तो हमें हर शिष्यको सिखाना चाहिए कि यीशुकी सभी आज्ञाओं को कैसे मानना है।

क्योंकि उन्होंने शिष्य बनाने की एक आज्ञा दी है, इसका अर्थ है कि यीशुके पीछे चलनेवाले हर शिष्यको यह सीखना जरूरी है कि शिष्य कैसे बनाया जाए।

उन चेलों को शिष्य बनाना है।और उन चेलों को भी शिष्य बनना है।

चेलोंको बढ़ाना।**ZÚME**इसी तरह से काम करता है।

यह खमीर की तरह है— जो सारे आंटेको खमीर बना देता है।

जब यीशुने आज्ञा दी की जाकर शिष्य बनाओ, तो उन्होंने यह वायदा भी किया है।

यीशुने कहा है— मैं हमेशा तुम्हारे संग रहूँगा। जगतके अंततक।

यीशुके हर चेलोंको इस वायदे पर विश्वास करना चाहिए कि यीशु हमेशा हमारे संग हैं।क्योंकि वह संग हैं।

लेकिन इसका अर्थ यह भी है कि यीशुके हर शिष्यको इस तथ्यके प्रति समर्पित होना चाहिये कि यीशु चाहते हैं कि हम सब शिष्य बनाएं। क्योंकि वह ऐसाही करते हैं।

यीशुने कहा- स्वर्ग और पृथ्वीका सारा अधिकार मुझे दिया गया है। इसलिए जाओ और शिष्य बनाओ।

जब यीशु हमें भेजते हैं तब जिस अधिकारपर वह यकीन करते हैं- वह उनका अधिकार है।

यीशु कहते हैं कि इससे बड़ा कोई अधिकार नहीं है।

किसी भी परंपरा में इससे बड़ा अधिकार नहीं है।

किसी भी संस्कृति में इससे बड़ा अधिकार नहीं है।

पृथ्वी पर किसी भी नियम में इससे बड़ा अधिकार नहीं है।

यीशुने कहा- जाओ और शिष्य बनाओ।

और **ZÚME** की तरह- खमीर की तरह- हम लगातार बढ़ते रहेंगे, जबतक कि काम पूरा न हो जाए।